have been ordered for the year 1995-96 by Railways through Wagon India Ltd. (WIL);

(b) whether the above allotment through WIL is as per the prevailing practice followed so far;

(c) if not, the reasons for change in the prevailing practice;

(d) whether the prevailing practice of issuing free materials to wagon industry has been curbed; if so, the reasons therefor; and

(e) whether, in view of the acute working capital shortage of the premier public sector wagon industries, the above change in allotment pattern as well as curbing of free material, is a planned way to dismantle the public sector wagon industry, altogether?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C.K. JAFEER SHARIEF): (a) In the Budget for 1995-96, provision has been made for acquisition of 12000 wagons in terms of fourwheeler units. Out of this, 1200 fourwheeler units are for Railways' own workshops. Balance 10800 fourwheeler units are to be ordered on the Industry. Of this 50% will be ordered through Wagon India Ltd.

(b) and (c) With a view to enable the Railways to obtain competitive prices, procurement of 50% of the requirement against Rolling Stock Programme is to be made through tender and 50% through Wagon India Ltd.

(d) The system of free supply items is to be progressively discontinued in view of the improved availability of materials vis-a-vis demand.

(e) No, Sir.

वैगनों की कमी के कारण माल उठाने में देरी होना

7185. **श्री रामजी लाल:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि रेल वैगनों की कमी के कारण ग्राहकों के माल को उठाने में देरी हो रही है;

(ख) यदि हां, तो सरकार इस स्थिति पर काबू पाने के लिये क्या कदम उठा रही है;

(ग) क्या सरकार ग्राहकों का कंप्यूटर के माध्यम से माल के बारे में और वैगनों की उपलब्धता के बारे में सूचना प्रदान करती है;

(घ) क्या सरकार हरियाणा में कोई नया रेल कारखाना स्थापित करने का विचार रखती है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

रेल मंत्री (श्री सी॰ के॰ जाफर शरीफ): (क) महत्वपूर्ण क्षेत्रों से प्रतियोगी मांग तथा व्यस्त मौसम में व्यस्त स्वरूप के कारण, कभी-कभी माल डिब्बों की मांग और सप्लाई के बीच समय अंतराल हो जाता है।

(ख) 1995-96 के चल स्टॉक कार्यक्रम के अन्तर्गत चौपहियों के हिसाब से 12,000 माल डिब्बों के अधिप्राप्ति का प्रस्ताव है। अपने माल डिब्बे के स्वयं मालिक बनें योजना के अंतर्गत उपयोगकर्त्ताओं द्वारा 12,000 माल डिब्बों की खरीद करने की संभावना है। इसके अलावा, चल स्टॉक के उपयोग में सुधार करने का लक्ष्य है।

(ग) इस समय ऐसी कोई सुविधा नहीं है।

(घ) जी नहीं।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता।

राज्य की राजधानी से दोहरी रेल-लाइन से जुड़े हुए मध्य प्रदेश के जिले

7186. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मध्य प्रदेश के कितने जिले राज्य की राजधानी से दोहरी रेल-लाइन से जुड़े हुए हैं;

(ख) किन-किन जिलों का राज्य की राजधानी से कोई रेल संपर्क नहीं है;

(ग) क्या सरकार ऐसे सभी जिलों को राज्य की राजधानी के साथ रेल-लाइन से जोड़ने का विचार रखती है; और

(घ) यदि हां, तो इन जिलों को रेल-लाइन से कब तक जोड़ दिया जायेगा?

रेल मंत्री (श्री सी॰के॰ जाफर शरीफ): (क) मध्य प्रदेश में 19 जिले भोपाल के साथ लाइन से जुड़े हुए हैं जो इस प्रकार हैं :- 1. मुरैना 2. ग्वालियर 3. दतिया 4. सागर 5. दमोह 6. सतना 7. जबलपुर 8. नरसिंहपुर 9. होशंगाबाद 10. विदिशा 11. खन्डवा 12. बेतुल 13. राजगढ़ 14. सरगुजा 15. शहडोल 16. बिलासपुर 17. दुर्ग 18. रायपुर 19. राजनंदगांव।